(18)

[This question paper contains 6 printed pages.] 2019

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8948 **IC**

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CBCS – Sanskrit Core**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

भाग (क) (Section A)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए :-

Translate any **two** of the following : (5×2=10)

(क) उद्दामदर्पश्वयथुस्थगितश्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति, शृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून् अहंकारदाहज्वरमूर्च्छान्धकारिता विह्वला हि राजप्रकृतिः ।

(ख) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः । प्रशमहेतुर्वयः परिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालम-मलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति ।

(ग) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्ट-व्यमस्ति । केवलं च निसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्ना लोकोच्छेद्यमप्रदीप-प्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् । अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरं ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम् ।

(घ) गुरुवचनम् अमलम् अपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभा-समुदयमधिकतरम् उपजनयति ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

Explain any **two** of the following : (5×2=10)

(क) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापिकालुष्यमुपयाति बुद्धिः । अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः ।

(ख) लतेव विटपकानध्यारोहति। गङ्गेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुद्बुद्चञ्चला।

(ग) अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेनोपदेशगुणाः ।

(घ) प्रस्तावना कपटनाटकस्य । कदलिका कामकरिणः । वध्यशाला साधुभावस्य । राहुजिह्वा धर्मेन्दुमण्डलस्य ।

3. 'शुकनासोपदेश' के आधार पर 'लक्ष्मी' का वर्णन कीजिए । (10)

Describe the 'लक्ष्मी' on the basis of 'शुकनासोपदेश'.

अथवा / OR

'वाणी बाणो बभूव' इस उक्ति पर निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on the statement 'वाणी बाणो बभूव'.

भाग (ख) (Section B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए :

Translate any **two** of the following : (5×2=10)

(क) अथ सोऽप्याचचक्षे- देव! मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित्कूपाभ्याशे अष्टवर्षदेशीयो दृष्टः। स च त्रासगद्गदमगदत् - महाभाग! क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य साहाय्यकम्। अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः पतितः। तमलमस्मि नाहमुद्धर्तुम् इति।

(ख) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा। दिव्यं हि चक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रदृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः। तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्ध एव जन्तुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात्। अतो विहाय बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम्। तदर्थानुष्ठानेन चावर्जित्शक्तिसिद्धिर- स्खलितशासनः शाधि चिरमुदधिमेखलामुर्वीम् इति।

(ग) "किं बहुना! राज्यभारं भारक्षमेष्वन्तरङ्गेषु भक्तिमत्सु समर्प्य, अप्सरः प्रतिरूपाभिरन्तः पुरिकाभीरममाणो गीतसंगीतपानगोष्ठीश्च यथर्तु बध्नन् यथार्हं कुरु शरीरलाभम्" इति पञ्चाङ्गस्पृष्ट भूमिरञ्जलि' चुम्बितचूडश्चिरमशेत। प्राहसीच्च प्रीतिफुल्ललोचनोऽन्तः पुरप्रमदाजनः।

(घ) सत्यमाह चाणक्यः - चित्तज्ञानानुवर्तिनोऽनर्थ्या अपि प्रियाः स्युः। दक्षिणा अपि तद्भावबहिष्कृता द्वेष्या भवेयुः इति। तथापि का गतिः। अविनीतोऽपि न परित्याज्यः पितृपैतामहैरस्मादृशैरयमधिपतिः। अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकारमश्नूयमाणवाचः कुर्मः। सर्वथा नयज्ञस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम्। अपि नामापदो भाविन्यः प्रकृतिस्थमेनमापादयेयुः।

5. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' पर टिप्पणी लिखिए। (10)

Comment on the statement 'दण्डिनः पदलालित्यम्'.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के आधार पर विहारभद्र के कथन का विवेचन कीजिए।

Describe the sayings of 'विहारभद्र' on the basis of विश्रुतचरितम्.

6. प्रश्न संख्या 1, 2 एवं 4 में रेखांकित पदों में से किन्हीं **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।

Write grammatical notes on any **five** of the underlined words in Question No. 1, 2 and 4. (5)

भाग (ग) (Section C)

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिये। (10)

Through light on the origin and development of Sanskrit prose.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

दशकुमारचरितम्, आख्यायिका, कादम्बरी, वासवदत्ता

8. संस्कृतसाहित्य के आधार पर लोककथा का वर्णन कीजिए ।

Describe the लोककथा on the basis of Sanskrit literature-

(10)

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

पञ्चतन्त्र, शुकसप्तति, पुरुषपरीक्षा, सिंहासनद्वात्रिंशिका, वेतालपञ्चविंशति ।

(19)

2019

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9127

IC

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self Management in the Gita

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×7=35)

Explain the following :

(क) ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः ।
मनः षष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति ।।

अथवा / OR

श्रोत्रं चक्षुः स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च ।
अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ।।

(ख) धूमेनाव्रियते वह्निर्यथादर्शो मलेन च ।
यथोल्बेनावृतो गर्भस्तथा तेनेदमावृतम् ।।

अथवा / OR

त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः ।
कामः क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्त्रयं त्यजेत् ।।

(ग) असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम् ।
अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते ।।

अथवा / OR

देवद्विजगुरुप्राज्ञपूजनं शौचमार्जवम् ।
ब्रह्मचर्यमहिंसा च शारीरं तप उच्यते ।।

(घ) पञ्चैतानि महाबाहो कारणानि निबोध मे ।
सांख्ये कृतान्ते प्रोक्तानि सिद्ध्ये सर्वकर्मणाम् ।।

अथवा / OR

यदा ते मोहकलिलं बुद्धिर्व्यतितरिष्यति ।
तदा गन्तासि निर्वेदं श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च ।।

(ङ) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।।

अथवा / OR

पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति ।
तदहं भक्त्युपहृतमश्नामि प्रयतात्मनः ।।

2. 'आत्मप्रबन्धन' का वर्णन करते हुए उसके आधारभूत तत्त्वों का विश्लेषण कीजिए । (11)

Describe the Self-Management and analyze its fundamental elements.

अथवा / OR

गीता के अनुसार आत्मप्रबन्धन की प्रक्रिया में मन और इन्द्रियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

Discuss the role of mind and senses in the process of Self-Management according to the *Gita*.

3. मानसिक द्वन्द्वों की प्रकृति का वर्णन करते उनके मूल कारण के रूप में रजोगुण का विवेचन कीजिए। (11)

Describe the nature of mental conflicts and discuss the *Rajoguṇa* as a root cause of mental conflicts.

अथवा / OR

तमोगुण का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सात्विक एवं तामसिक आहार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Explaining the nature of *Tamoguṇa* describe the characteristics of *Sāttvika* and *Tāmsika* diet.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (3×6=18)

Write short notes on any **three** of the following :

(i) समत्व योग (Equanimity *Yoga*)

(ii) त्रिविध तप (Three types of austerity)

(iii) ध्यान (Meditation)

(iv) चतुर्विध भक्त (Four types of devotees)

(v) व्यवसायात्मिका बुद्धि (Determinate buddhi)